श्री सुजीत कुमार, आई0ए0एस0, मुख्य विकास अधिकारी, फिरोजाबाद द्वारा दिनांक 23–08–2015 को विकास खण्ड फिरोजाबाद के अर्न्तगत क्षेत्र समिति द्वारा कराये गये कार्यो का स्थलीय निरीक्षण टिप्पणीः

दिनांक 23–08–2015 को क्षेत्र समिति फिरोजाबाद के माध्यम से हुए निम्नांकित कार्यो का निरीक्षण/स्थलीय सत्यापन किया गया। इस दौरान खण्ड विकास अधिकारी फिरोजाबाद, श्री शिव कुमार मिश्रा अवर अभियन्ता ग्रा0अ0से0 विकास खण्ड फिरोजाबाद एवं अन्य स्टाफ उपस्थिति रहा।

1– ब्लॉक परिसर में बाउण्ड्रीबाल :

बताया गया कि 180 मीटर में 684784–00 रू0 की लागत से कार्य होना था। प्रथम दृष्टया निर्माण कार्य ठीक प्रतीत हुआ परन्तु पुताई का कार्य नहीं किया गया है। अवर अभियन्ता ग्रा0अ0से0 ने बताया कि पुताई कार्य प्रांकलन में सम्मिलित नहीं किया गया था। पुताई कार्य प्रांकलन में सम्मिलित किया जाना चाहिए था। खण्ड विकास अधिकारी एवं अवर अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि अतिशीघ्र वाउण्ड्रीबाल का पुताई कार्य सुनिश्चित करायें।

(कार्यवाही ख0वि0अ0/ अवर अभियन्ता, जलनिगम)

2– विकास खण्ड परिसर में सी0सी0 निर्माण :

बताया गया कि 147मीटर लम्बाई में 781190–00 रू0 की लागत से सी0सी0 कार्य कराया गया है। सी0सी0 कई स्थानों पर टूटने ली है एवं इस कार्य की गुणवत्ता संतोषजनक प्रतीत नहीं हुई। एक स्थान पर सी0सी0 रोड के बीच में गई है, उस स्थान पर सी0सी0 कार्य धसका हुआ पाया गया। निर्देशित किया गया कि नाली कांसिंग के लिए साइड में लोहे का एंगल लगवाया जाना उचित होगा। अवर अभियन्ता से अपेक्षित है कि तत्काल कार्य ठीक करायें।

(कार्यवाही ख0वि0अ0/ अवर अभियन्ता, जलनिगम)

3– नगला गिरधारी में सुजातगढ मार्ग से देशराज के स्कूल तक इण्टरलॉकिंग कार्य :

बताया गया कि 490 मीटर लम्बाई में 1426306–00रू0 की लागत से यह इण्टरलॉकिंग कार्य कराया गया है।सामान्यतः प्रथम दृष्टया कार्य संतोषजनक परिलक्षित हुआ। एक स्थान पर इण्टरलॉकिंग की ईंटेउखडवाकर देखी गई तो गिट्टी लगभग 7.50 से0मी0 माटाई में पायी गई। इण्टरलॉकिंग कार्य के दोनों ओर पटरी का कार्य ठीक ढंग से नहीं हुआ है। खण्ड विकास अधिकारी एवं अवर अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि कार्य को ठीक कराकर अवगत करायें।

(कार्यवाही ख0वि0अ0/ अवर अभियन्ता, जलनिगम)

4– नगला सदासुख से नगला भवन नरोत्तम की ठार तक इण्टरलॉकिंग/नाली निर्माण कार्यः

निर्माण कार्य अभी प्रगति में है। लगभग 100 मीटर लम्बाई में गिट्टी विछायी जा चुकी है। आगे कार्य प्रगति पर है। गिट्टी विछे हिस्से में खुदवाकर देखने पर मोटाई कम पायी गई। अवर अभियन्ता को निर्देशित किया गया है कि वहां अपी देख–रे.ख में और गिट्टी डलवाना सुनिश्चित करें और प्रांकलन में प्राविधान केक अनुसार मिट्टी व गिट्टी डलवाने के बाद ही इण्टरलॉकिंग की ईंट विछवाना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही ख0वि0अ0/ अवर अभियन्ता, जलनिगम)

5– नगला गिरधारी में हरिविलास के घर से नाला निर्माणः

350 मीटर लम्बाई में 625657–00रू0 की लागत से कार्य होना बताया गया। नाला निर्माण का कार्य सामान्यतः ठीक प्रतीत हुआ परन्तु कई स्थानों पर प्लास्टर कराया गया है। इस प्लास्टर की गुणवत्ता सही नहीं नहीं जिसके कारण जगह–जगह दरारें पड़ गई है। खण्ड विकास अधिकारी/ अवर अभियन्ता को निर्देशित किया गया है कि इस कमी को तत्काल ठीक कराया जाय।

(कार्यवाही ख0वि0अ0/ अवर अभियन्ता, जलनिगम)

6– विकास खण्ड परिसर में कार्यालय के पीछे इण्टरलॉकिंग कार्यः

900 मीटर लम्बाई में 798854 रू0 लागत से यह कार्य कराया जाना बताया गया। इण्टरलॉकिंग कार्य का 3 स्थानों पर ईटें निकलवाकर देखा गया। इन स्थानों गिट्टी बहुत कम पायी गई। बालू की गुणवत्ता भी संतोषजनक नहीं थीं। खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया जाता है कि इण्टर लॉकिंग कार्य उखडवाकर गिट्टी डलवाकर पुनः इण्टरलॉकिंग की ईंट विछायी जाय।

(कार्यवाही ख0वि0अ0/ अवर अभियन्ता, जलनिगम)

7– सलेमपुर नगला खार में हरेन्द्र के घर से नीलेश की ठार तक नाला निर्माणः

270 मीटर लम्बाई में 4,85457 रू0 की लागत से नाला निर्माण कार्य होने की सूचना प्रस्तुत की गई। 50 मीटर नाली बारिष के कारण गिर गई है। मौके पर उसकी मरम्मत करायी जा रही है। खण्ड विकास अधिकारी एवं अवर अभियन्ता को निर्देशित किया गया है कि मरम्मत कार्य अच्छी गुणवत्ता के साथ पूर्ण करायें।

(कार्यवाही ख0वि0अ0/ अवर अभियन्ता, जलनिगम)

सामान्यतः उक्त समस्त कार्यो में यह देखा गया कि अवर अभियन्ता द्वारा अनुवेक्षण कार्य सही प्रकार से नहीं किया गया है, जिसके कारण कार्यो में छोटी–छोटी कमियां रह गई है। प्रांकलन बनाने में भी लापरवाही की गई है। अधिकांश कार्यो की लम्बाई चौडाई प्रांकलन के हिसांब से कम पायी गई। जिसके कारण प्रत्येक परियोजना में काफी बचत हुई है। अवर अभियन्ता द्वारा प्रत्येक परियोजना में सामिग्री अंश का पूर्ण भुगतान, कार्य शुरू होने से पहले ही कर दिया गया है और भुगतान होने के 6–7 माह तक भी कार्य पूर्ण नहीं हुआ जबकि उचित यह होता कि जितनी कार्य प्रगति होती उतना ही भुगतान किया जाना चाहिए

था। खण्ड विकास अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगें कि भविष्य में उक्त स्थिति की पुर्नरावृत्ति न होने पाये।

(सुजीत कुमार)
मुख्य विकास अधिकारी
फिरोजाबाद।

कार्यालय मुख्य विकास अधिकारी, फिरोजाबाद।

पत्रांक 327 / एस0टी0–मु0वि0अ0 दिनांक 26/08/15

प्रतिलिपिः निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1– जिलाधिकारी, फिरोजाबाद।
2– खण्ड विकास अधिकारी, फिरोजाबाद।
3– अवर अभियन्ता, ग्रा0अ0से0 फिरोजाबाद।

मुख्य विकास अधिकारी
फिरोजाबाद।